Dual Hindi Audition Script PDF | डुअल हिन्दी ऑडिशन स्क्रिप्ट पीडीएफ़

पूर्वाभास :

हैलो दोस्तों बहुत दिनों के बाद नई स्क्रिप्ट आपके लेकर आया हु **" Dual Hindi Audition Script PDF | डुअल हिन्दी ऑडिशन स्क्रिप्ट पीडीएफ़ "** ; यहापर एक पति- पत्नी है जो की किसी घरेलू कारण के लिए आपस मे झगडा कर रहे है | थोडासा मस्ती मजाक, थोड़ी लड़ाई इन दोनों मे चल रही है| **अब आगे....**

पात्र :

मनोज (उम्र ३०), मिनाक्षी (उम्र २६ साल)

समय :

४ मिनिट ३० सेकंद

Hindi Audition Script PDF Free For Male - Female | हिन्दी ऑडिशन स्क्रिप्ट पीडीएफ़ फॉर मेल- फ़ीमेल

मनोज: बस बहुत होगया अगर इसके आगे एक शब्द भी निकाला तो मेरा हाथ उठ जायेगा।
मिनाक्षी: अच्छा..वैसे भी तुम मर्द लोक कर भी क्या सकते है कुछ भी हो लेकिन तुम्हे आपनी मर्दानगी दिखानी हि होती है; और अगर ऐसा हि है तो मेरी भी बात ध्यान से सुनलो मुझे भी तुममे कोई इंट्रेस्ट नहीं है । वो तो बुवाजी रिश्ता लेकर आये थे इसलिए चुप थी वरना. ..
मनोज: वरना क्या...? छोड़ देगी मुझे ? आ ? बोलो छोड़ दोगी क्या? अगर ऐसा हुवा तो भगवान को 5 किलो मिठाई का भोग चढ़ाऊंगा , मै भी ये रोज रोज के झगड़ों से तंग आगया हूँ ।
मिनाक्षी: तंग तो होना हि है, बहार मजा मस्ती करने के लिए मिल रही है ना । ना अपनी बीवी को टाइम देना है,ना अपनी फॅमिली को देखना है, ना हीं घरका खाना खाना है, लेकिन एक बात याद रखना जब तुम्हारे ये अय्याशी के पैसे ख़तम हो जाएंगे और कोई पूछनेवाला नहीं होगा तभी

फॅमिली की याद आएगी और हा ये दिन दूर नहीं है,जल्द हि देखने मिलेगा।
मनोज: बस बस..तुम्हारी ये ड्रामेबाजी बंद करो ' मै इन सब बातो मे नहीं आनेवाला '। समझी ..?

|हमे फॉलो करे(**Instagram** , **Facebook** , **Youtube** , **Whatspp Channel**)]

(थोड़ा मजाक मे) लगता है इसीलिए तुम्हारे पापाने तुम्हे ड्रामा और थिएटर आर्टिस्ट बनने के लिए भेजा था। वैसे एक्टिंग बढ़िया करती हो , चाहो तो अभी भी करियर बना सकती हो।
मिनाक्षी: मनोज बस! मजाक की भी कोई हद होती है, बात हम दोन्हो की चल रही है ना तो पापा को बिच मे लाने की जरूरत नहीं है, और वैसे भी उनकी एक भी अच्छी आदत तुमने लियी होती तो आज ये दिन देखना नहीं पड़ता।
मनोज: मुझे एक बात बता जब तुम तुम्हारे दोस्तों के साथ बहार जाती हो तब मैने कभी पूछा है ? हा या ना ?
मिनाक्षी: हा जाती हु .... पर सिर्फ फ्रेंड्स के साथ।
मनोज: तुम कहना क्या चाहती हो ?
मिनाक्षी: देखो मै क्या कहना चाहती हु तुम्हे अच्छी तरह से पता है, अभी तुम भोला बनने का ड्रामा मत करो।
मनोज: अच्छा तो तुम अभी तक उसी टॉपिक को लेकर बैठी हो, देखो राखी मेरी सिर्फ एक दोस्त है बस उसके आगे हम दोनो मे कुछ भी नहीं है।
मिनाक्षी: अगर इतना सच होता कितना अच्छा होता । (मोबाइल मे से फोटो दिखाते हुए) ये क्या है? अभी भी कुछ बोलना है?
मनोज: (घबराते हुए) ये फोटोज ? ये तो मेरी हि फोटोज है।
मिनाक्षी: हा हा तुम्हारी हि फोटोज है और ज्यादा पुरानी भी नहीं , कल के पार्टी के बाद तुम दोन्हो जहा जहा गये थे वाहा की हि फोटोज है।
मनोज: मिनाक्षी थोड़ा समजने की कोशिश करो, क्या है की हाल हि म उसके पिताजी की मौत हो गयी जिसके कारण वो बहुत हि सगमे मे है। बस इसीलिए मै उसको मिलने गया था
मिनाक्षी: एक झूठ को छुपाने के लिए दूसरा और उस को छुपाने के लिए तीसरा , पकड़े जाने के बाद भी और एक जूठ ! बस अब मुझे कुछ भी समज़ाने की कोशिश मत करो, मै जा रही हु | बैठो उसी के साथ पार्टीया करते|

मनोज : मिनाक्षी मेरी बात तो सुनो..... अरे रुको ..